

understand : (1) उपलभते, *no distinction was p.d even of great (things)* : विवेकः कस्यचिन्न महतोऽप्युपलेभे, Ki. ix. 12. ; (2) बुध्यते (बुध्, c. 4.), *gradually p.d that he was Nārada* : क्रमादमुं नारद इत्यबोधि सः, Si. i. 3. : v. To understand, know : (2) लक्षयति, सं-, परि-, (लक्ष्, c. 10.) (=to notice : q.v.).

PERCENTAGE : expr. by शतिकः (की, कं) or by शतम् : v. Cent.

PERCEPTIBLE : (1) उपलभ्य (f. भ्या), *from its being p. to the tongue* : जिह्वयोपलभ्यमानत्वात्, S.c. ; (2) ग्राह्य (f. ह्या) or ग्रहणीयः (या, यं) ; (3) संवेद्य (f. द्या) etc. (=knowable).

PERCEPTIBLY : expr. by adj. or circumlo.

PERCEPTION : उपलब्धिः, *and from the non-p. of others* : इतरेषाञ्चानुपलब्धेः, S. : v. Also knowledge, understanding.

PERCEPTIVE : perh. ग्राहक (f. हिका) or ग्राहिन् (f. णी).

PERCH (subs.) : I. For birds : (1) वासयष्टिः, Me. ii. 18. ; (2) यष्टिः, R. xvi. 14. II. For measuring land : expr. by नृत्वः (=400 cubits). III. A fish : मत्स्यविशेषः.

PERCH (v.) : अध्यास्ते (आस्, c. 2. : with acc.) : v. Sit, roost.

PERCHANCE : दैवात् : v. Perhaps, accidentally.

PERCOLATE : परि-स्रवति (स्तु, c. 1.) : v. To flow, ooze.

PERCOLATION : लवणः परिस्रवः : v. Flow.

PERCUSSION : (1) समाघातः ; (2) संघट्टः : v. Collision.

PERDITION : उच्छेदः : v. Also ruin, destruction.

PEREGRINATE : परिभ्रमति or भ्राम्यति (भ्रम्, c. 1. and 4.) : v. To travel.

PEREGRINATION : परिभ्रमणम् : v. Travel.

PEREMPTORILY : (1) अटलम् ; (2) स्पष्टम् ; (3) सुनिश्चितम् : v. Below.

PEREMPTORY : (1) अटल (f. ला=unchangeable) ; (2) स्पष्ट (f. ष्टा=clear) ; (3) सुनिश्चित (f. ता=decisive).

PERENNIAL : नित्य (f. त्या) : v. Perpetual. Ph. : *having p. water* : सदानीरा (a name of the Karatoyā).

PERENNIALLY : (1) नित्यम् : v. Perpetually, continually ; (2) by adj.

PERFECT (v.) : संपूरयति (पूर्, c. 10.) : v. To finish, complete.

PERFECT (adj.) : (1) सम्पूर्ण (f. र्णा) : v. Full, complete ; (2) समग्र (f. ग्रा) : v. Entire ; (3) उत्कृष्ट (f. ष्टा) : v. Excellent. Ph. : *no one is p.* : नास्त्यदोषः कोऽपि ; *p. tense* expr. by निरूपवक्रिया.

PERFECTION, PERFECTNESS : I. Completeness : q.v. : सम्पूर्णता. II. Great skill : q.v. : परं कौशलम्. III. Excellence : q.v. : उत्कर्षः. IV. An endowment : गुणः. V. Acme. : q.v. : परा कोटिः. Ph. : *to p.* : परमेण कौशलेन : v. Also perfectly.

PERFECTLY : (1) सम्पूर्णम् : v. Completely ; (2) समग्रम् : v. Entirely ; (3) by adj. or comp.

PERFIDIOUS : I. Of men : (1) असत्यसन्ध (f. न्धा) ; (2) विश्वासघातिन् (f. नी) : v. Treacherous ; (3) शठ (f. ठा) : v. Wicked. II. Of acts : अनार्य (f. र्या) : v. Dishonest.

PERFIDIOUSLY : विश्वासमुन्मथ्य : v. Treacherously.

PERFIDIOUSNESS, PERFIDY : विश्वासघातः : v. Treachery.

PERFORATE : विध्यति (व्यध्, c. 4.) : v. To bore, pierce. *P.d* ; (1) छिद्रित (f. ता) ; (2) छिद्रपूर्ण (f. र्णा=full of holes).

PERFORATION : I. Boring : q.v. : वेधः. II. A hole : q.v. : छिद्रम्.

PERFORCE : बलात् : v. Forcibly.

PERFORM : I. To do : q.v. : करोति. II. To accomplish : q.v. : साधयति (c. of सिध्). III. To fulfil : q.v. : पूरयति (पूर्, c. 10.). IV. To keep : q.v. : रक्षति (रक्ष्, c. 1.).

PERFORMANCE : I. The act : (1) साधनम् ; (2) सम्पादनम् ; (3) निष्पत्तिः. II. Deed, act : q.v. : कर्मन् (n.). III. An exhibition : अभिनयः.

PERFORMER : अभिनेतृ (f. त्री) : v. Actor. In lit. sense : कर्तृ (f. त्री=doer) or साधक (f. धिका=achiever).

PERFUME (v.) : (1) वासयति, धनु-, अधि-, (वास्, c. 10.), *p.d, with scent* : आमोदवासित-, Ki. ix. 77. ; (2) सुरमीकरोति, *p. ing the lotus filaments* :